भारत सरकार
भारी उद्योग मंत्रालय

लोकसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 456
21.07.2026 को उत्तर के लिए नियत

भारत हैवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड का आधुनिकीकरण और क्षमता विस्तार

456. **श्री दुरई वाइकोः**

क्या **भारी उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:
(क) क्या सरकार ने भारत हैवी इलेक्ट्रिक लिमिटेड के आधुनिकीकरण, तकनीकी उन्नयन और क्षमता विस्तार के लिए कोई योजना तैयार की है;
(ख) यदि हाँ, तो स्वीकृत परियोजनाओं, आवंटित निधि और कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति का ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार का विचार इस इकाई का परमाणु ऊर्जा, नवीकरणीय ऊर्जा, ग्रीन हाइड्रोजन और रक्षा विनिर्माण जैसे उभरते क्षेत्रों के लिए उपकरण बनाने के क्षेत्र में विविधीकरण करने का है; और
(घ) सरकार द्वारा तिरुचिरापल्ली इकाई के उत्पादन को बढ़ाने, रोजगार सृजित करने, नए ऑर्डर प्राप्त करने और इसकी दीर्घकालिक प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर
भारी उद्योग राज्य मंत्री
(श्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा)

(क) एवं (ख): भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) अपनी व्यावसायिक आवश्यकताओं, बाजार की संभावनाओं तथा प्रौद्योगिकीगत विकास को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर अपनी विनिर्माण सुविधाओं का आधुनिकीकरण, प्रौद्योगिकी उन्नयन तथा क्षमता संवर्धन करता है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान कंपनी ने अपनी सुविधाओं के विस्तार, आधुनिकीकरण तथा क्षमता संवर्धन के लिए 671 करोड़ रुपए का पूंजीगत व्यय किया है।

इसके अतिरिक्त, भारी उद्योग मंत्रालय की "भारतीय पूंजीगत वस्तु क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि संबंधी स्कीम -चरण-II" के अंतर्गत, बीएचईएल द्वारा हैदराबाद तथा भोपाल में सामरिक क्षेत्रों में प्रयुक्त उपकरणों के लिए उन्नत परीक्षण सुविधाएं तथा उन्नत सामग्री

परीक्षण सुविधाएं स्थापित की गई हैं। इसके साथ ही, उन्नत वेल्डिंग प्रौद्योगिकियों में कौशल विकास हेतु छह स्थानों पर साझा इंजीनियरिंग सुविधा केंद्र (सीईएफसी) स्थापित किए गए हैं, जिनके माध्यम से अब तक 10,000 से अधिक वेल्डरों को विभिन्न वेल्डिंग प्रौद्योगिकियों में प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है।

(ग): बीएचईएल ने नाभिकीय ऊर्जा, रक्षा एवं एयरोस्पेस तथा नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में भी विविधीकरण किया है। बीएचईएल द्वारा अब तक 5.4 गीगावाट क्षमता की नाभिकीय विद्युत इकाइयों के लिए उपकरणों की आपूर्ति की जा चुकी है। बीएचईएल भारतीय नौसेना को महत्वपूर्ण रक्षा तोपों का भी नियमित आपूर्तिकर्ता है।

(घ): बीएचईएल की तिरुचिरापल्ली इकाई की उत्पादन क्षमता में वृद्धि के लिए वित्त वर्ष 2024-25 तथा 2025-26 के दौरान लगभग 70 करोड़ रुपए का पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) किया गया है। इसके अतिरिक्त, दिनांक 30.06.2026 की स्थिति के अनुसार बीएचईएल की तिरुचिरापल्ली इकाई की आदेश पुस्तिका 43,927 करोड़ रुपए की है। पिछले दो वर्षों के दौरान इस इकाई में विभिन्न संवर्गों में 100 से अधिक कर्मचारियों की भर्ती की गई है।

***